



ॐ ॥ ओम श्री अमरलाल सहाय ॥ ॐ

ॐ ॥ श्री झूलण सांईजी मदाह ॥ ॐ

दिव्य नागों में शेषनाग (अनन्त) हैं और जलवारों में उनका  
अधिपति वरुण देवता है ये दोनों ही श्री कृष्ण के रूप हैं ।

मुहिंजा झूलण सांई लाल - अमर उद्देरा सांई लाल ।

बेडा बने लाहीं लाल - कहिंजो कीन विज्ञाई लाल ।

पोरिहियो मिठडा धनश्याम- मुहिंजा लाल सांई श्याम ।

धारियो नसरपुर में अवतार - लाथो मरखशाह जो अहिंकार ।

कयो धर्म जो उङ्गार - मुहिंजा लाल सांई श्याम ।

तूं त घोडे वारो घोट - दियो सुखनि जा त कोट ।

कटियो जन्म मरण जी मोट - मुहिंजा लाल सांई श्याम ।

बाबल पले वारा पीर - तुहिंजी वहे सुहणी सीर ।

ठाहियो सिन्ध्यनि जी तकदीर - मुहिंजा लाल सांई श्याम ।

आहीं महिर जो दरयाह - आहीं हीणनि जो हमराह ।

बेवाहनि जो तूं वाह - मुहिंजा लाल सांई श्याम ।

अचिन चालीहे जा दींह - वसनि महिर सच्चा मींह ।  
ज्योतियुँ जगनि रात दींह - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
प्रेमी बहिराणा कढ़ाइनि - पंजिडा तुहिंजा सदा गाइनि ।  
पलव प्रेम सां पाराइनि - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
अखो तुहिंजो जेको पाए - मन जूं मुरादूं सभई पाए ।  
तकदीर पहिंजीआ खे बणाए - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
चन्ड चोदिस थारुं रात - वठनि दरियाह शाह मां दात ।  
रहे लगल तुहिंजी तात - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
तुहिंजा सदा लगनि मेला - अचनि तुहिंजे दर ते भोला ।  
करीं सभनीजा कम सवला - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
आहियो वारसनि जा बि वाली - जेके अचनि तो दर सुवाली ।  
भरियुँ तिनि झोलियूँ खाली - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
सुहिणा रूप झूलेलाल - कुर्ब दार अमर लाल ।  
करियो सब खे माला माल - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
आहे गीता जी इया बाणी - कर्ड कृष्ण जेका वाणी ।  
आहियाँ वरुणदेव अवतार - मुहिंजा लाल साई श्याम ।  
आहियो गिरधर औं गोपाल - आहियो राम जा अवतार ।  
हीरो दासनि जो आ दास - करे इहा थो अरदास ।  
सब जा कार्ज करियो रास - मुहिंजा लाल साई श्याम ।

\* \* \* \* \*

बोलो श्री अमरलाल साहबि की जय  
आयोलाल सभई चओ झूलेलाल  
लाल जा जाटी चओ झूलेलाल